अनुसंधान – २००३ (०१) २२
संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल
निवेदन
अनुक्रमणिका
भवविरहाङ्क श्रीहरिभद्रसूरि विरचित जिनस्तवन – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि -------------------------- १
महो. शोविजय-लिखित कर्मप्रकृतिसंक्षेप विवरण – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि ------------------------ ४
समुद्रबन्ध चित्रकाव्य – एक परिचय – विजयशीलचन्द्रसूरि -- ७
३६३ पाखण्डी स्वरूप स्तोत्र-सावचूरि – सं. मुनि कल्याणकीर्तिविजय ------------------------------ २७
जिनपूजाविधि – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि -- ३२
समेतशिखरगिरिरास – सं. विजयशिलचनन्द्रसूरि -- ४१
स्वाध्याय (ललितविस्तरासत्क) – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि --------------------------------------- ५३
ग्रन्थावलोकन – इतिहासना अज्ञात प्रदेशमां स्वैर विहार – निर्ग्रन्थ ऐतिहासिक लेख समुच्चय
– मुनि भुवनचन्द्र --- ५६
टूंक नोंध – विजयशीलचन्द्रसूरि -- ६२
पत्रचर्चा – विबुध पदविज्ञप्ति परिपत्र विषे... – आ. प्रद्युम्नसूरि ------------------------------------ ६४
नवां प्रकाशनो (माहिती) --- ६६
नवी माहिती --- ६९
प्रो. डॉ. के. आर. चन्द्रनी चिरविदाय -- ७१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org